THREE DISCIPLINE SPECIFIC MULTIDISCIPLINARY COURSE

द्वितीय सत्र
SEMESTER-II

AEC
हिन्दी : सृजन और संप्रेषण
HINDI : SRIJAN AUR SAMPRESHAN

Course Type	Course Code	Total Class Hours	Total Credits	Component
				Lecture
AEC (Theory)	HINDAEC001	60	4	4

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को अपनी पाठ्य सामग्री की डिजिटल प्रस्तुति में सक्षम बनाना।
- विद्यार्थियों को मीडिया जगत में रोजगार के लिए सक्षम बनाना।
- विशेषकर भाषा साहित्य के विद्यार्थियों को साहित्य में निहित मूल्यों के तहत मीडिया के प्रति उनकी जवाबदेही को गंभीर बनाना।
- न्यू-मीडिया में रोजगार के अवसरों से अवगत कराना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes) :

ज्ञान संबंधी	• डिजिटल दौर में विद्यार्थी अपनी पाठ्य सामग्री को सार्थक एवं आकर्षक ढंग से तैयार कर सकेंगे।
कौशल दक्षता संबंधी	• साहित्य से अर्जित मानव मूल्यों को डिजिटल प्लेटफार्म पर साकार कर पाएंगे। • मोबाइल के माध्यम से अपने सृजनात्मक कौशल को विकसित कर पाएंगे।
रोजगार संबंधी	• बहुआयामी मीडिया में रोजगार के अवसर लाभ प्राप्त कर सकेंगे।

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

इकाई –1 **(15 घंटे)**

साहित्य

पद्य

- **कबीरदास :**

  कबीरा खड़ा बाजार में...

  पोथी पढ़ि पढ़ि जग मुआ.

- **रामधारी सिंह 'दिनकर' :**

  अवकाश वाली सभ्यता

- **दुष्यंत कुमार :**

  कहाँ तो तय था चरागाँ हर एक घर के लिये

गद्य

- **प्रेमचंद**

  आहुति (कहानी)

- **हरिशंकर परसाई**

  इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर (व्यंग्य)

इकाई - 2 **(15 घंटे)**

- साक्षात्कार– अवधारणा प्रकार एवं प्रक्रिया।
- संप्रेषण– अवधारणा प्रकार एवं प्रक्रिया।
- पुस्तक समीक्षा, फिल्म समीक्षा, विज्ञापन समीक्षा लेखन।

इकाई – 3 **(15 घंटे)**

- राजभाषा हिन्दी की संवैधानिक स्थिति (अनुच्छेद 343 से 351)
- हिन्दी भाषा के विविध रूप – बोलचाल की भाषा, सर्जनात्मक भाषा, संपर्क भाषा, संचार भाषा एवं राजभाषा का सामान्य परिचय ।

इकाई - 4 **(15 घंटे)**

- पत्र-लेखन – औपचारिक पत्र एवं अनौपचारिक पत्र ।
- भाव पल्लवन, संक्षेपण, अनुच्छेद एवं निबंध लेखन ।

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना

ट्यूटोरियल			सत्रांत परीक्षा (निर्धारित समय : 2.5 घंटे)
घटक	**मध्यावधि परीक्षा**	**असाइनमेंट/ समूह चर्चा/ क्लास टेस्ट**	
निर्धारित अंक	10	10	
पूर्णांक (80)	**20**		**60**

अनुशंसित ग्रंथ –

1. कबीर पुनर्पाठ/ पुनर्मूल्यांकन, परमानन्द श्रीवास्तव, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद
2. पूरा कबीर, (सं.) बलदेव वंशी, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली
3. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना, वासुदेवनंदन प्रसाद, भारती भवन प. डिस्ट्रीब्यूटर, पटना
4. हिन्दी व्याकरण, कामताप्रसाद गुरु, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
5. हिन्दी : शब्द, अर्थ, प्रयोग, हरदेव बाहरी, अभिव्यक्ति प्रकाशन, दिल्ली
6. कबीर ग्रंथावली, (सं) डॉ. श्यामसुंदर दास, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
7. राजभाषा हिन्दी, डॉ. भोलानाथ तिवारी, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
8. अपराजेय आस्था के कवि दुष्यंत कुमार, कृष्ण कमलेश, भारतदेशम् प्रकाशन, दिल्ली
9. साये में धूप, दुष्यंत कुमार, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
10. दुष्यंत कुमार की ग़ज़लों का रचना विधान, मिथिलेश वामनकर, शिवना प्रकाशन, भोपाल
11. दिनकर के काव्य में प्रगतिशील चेतना, देवजानी सेन, सार्थक पब्लिकेशन, कोलकाता
12. प्रेमचंद की कहानियों का समाजशास्त्रीय विश्लेषण, अनीता रानी, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली
13. प्रेमचंद, (सं) सत्येंद्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
14. व्यंग्य का सौंदर्यशास्त्र, मलय, शब्दसृष्टि प्रकाशन, दिल्ली
15. संप्रेषण : चिंतन और दक्षता, डॉ. मंजु मुकुल, शिवालिक प्रकाशन
16. विज्ञापन डॉट कॉम, डॉ. रेखा सेठी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
17. विज्ञापन की प्रवृति और संरचना, डॉ. मीरा चतुर्वेदी
18. सम्प्रेषण की समग्रता, गुलाब कोठारी, इंद्रा पब्लिशिंग, दिल्ली
19. सम्प्रेषण : चिंतन और दक्षता, डॉ. मंजु मुकुल, शिवालिक प्रकाशन
20. भाषा और सम्प्रेषण, डॉ. अनिरुद्ध कुमार 'सुधांशु', श्री नटराज प्रकाशन, नई दिल्ली